एम0 ए0 (हिंदी) का नया पाठ्यक्रम
(सत्र 2004.05 से आरंभ)

द्विवर्षीय एम0 ए0 (हिंदी) का शैक्षिक कार्यक्रम चार सेमेस्टर में सम्पन्न होता है। इसमें कुल 16 पाठ्यक्रम हैं जिनमें 14 बीज पाठ्यक्रम है और 2 वैकल्पिक पाठ्यक्रम। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा – 70 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए होंगे और 30 अंक संगोष्ठी/अधिन्यास (एसाइनमेन्ट) कार्य के लिए।

पाठ्यक्रमों का सत्रानुसार विवरण इस प्रकार है––

एम0 ए0 (हिंदी) प्रथम वर्ष

पहला सत्र (पावस सत्र)

पहला प्रश्नपत्र	–	छायावादी काव्य
दूसरा प्रश्नपत्र	–	निबंध और नाटक
तीसरा प्रश्नपत्र	–	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
चौथा प्रश्नपत्र	–	हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

दूसरा सत्र (शीतकालीन सत्र)

पांचवाँ प्रश्नपत्र	–	छायावादोत्तर काव्य
छठा प्रश्नपत्र	–	कथा–साहित्य
सातवां प्रश्नपत्र	–	हिंदी साहित्य का इतिहास (भारतेंदु युग से अब तक)
आठवां प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)–		कोई एक मूलभाषा (संस्कृत/प्राकृत/पालि/अपभ्रंश) अथवा आधुनिक भारतीय भाषा (बंगला/मराठी/तेलुगु/ कन्नड़/उर्दू/ तमिल)।

एम0 ए0 (हिंदी) द्वितीय वर्ष

तीसरा सत्र (पावस सत्र)

नवाँ प्रश्नपत्र	–	आदिकालीन एवं निर्गुणकाव्य
दसवाँ प्रश्नपत्र	–	सगुण भक्ति काव्य
ग्यारहवां प्रश्नपत्र	–	संस्कृत काव्यशास्त्र
बारहवाँ प्रश्नपत्र	–	आधुनिक भारतीय साहित्य

चौथा सत्र (शीतकालीन सत्र)

तेरहवाँ प्रश्नपत्र	–	रीतिकाव्य
चौदहवाँ प्रश्नपत्र	–	पाश्चात्य साहित्य–सिद्धांत
पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र	–	हिंदी समीक्षा
सोलहवाँ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)–		किसी एक साहित्यकार (जायसी/सूर/तुलसी/भारतेन्दु हरिश्चन्द्र/प्रेमचंद/प्रसाद/निराला/ रामचन्द्र शुक्ल/ हजारीप्रसाद द्विवेदी/ अज्ञेय/ मुक्तिबोध/ यशपाल/जैनेन्द्र/ अमृतलाल नागर) अथवा किसी एक साहित्य प्रवृत्ति (संतकाव्य/रीतिकाव्य/ आधुनिक हिंदी साहित्य 1919– 1947/ स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य) अथवा किसी एक भाषापरक या अन्य विषय (हिंदी भाषाशिक्षण /अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग/प्रयोजनमूलक हिंदी/ बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति/हिंदी पत्रकारिता – इतिहास, सिद्धांत और प्रयोग/हिंदी नाटक एवं रंगमंच/हिंदीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिंदी साहित्य/भारतीय साहित्य/लोक साहित्य) का विशेष अध्ययन ।

एम0 ए0 (हिंदी) प्रथम वर्ष

पहला प्रश्नपत्र

छायावादी काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार सप्रसंग व्याख्या	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— कामायनी : जयशंकर प्रसाद (चिंता, आशा एवं श्रद्धा सर्ग)
2— अनामिका : निराला (राम की शक्तिपूजा, सरोजस्मृति)
3— तारापथ : सुमित्रानंदन पंत (बादल, भावी पत्नी के प्रति, नौका विहार, अनामिका के कवि के प्रति,
आः धरती कितना देती है)
4— दीपशिक्षा : महादेवी (पंथ होने दो अपरिचित, सब बुझे दीपक जला लूँ, जब यह दीप थके तब
आना, यह मंदिर का दीप, जो न प्रिय पहचान पाती, मोम सा तन घुल चुका, सब आँखों के आँसू उजले, मैं पलकों में पाल रही हूँ, पूछता क्यों शेष कितनी रात, अलि मैं कण कण को जान चली)

अनुशंसित ग्रंथ :

1— जयशंकर प्रसाद — नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद
2— कामायनी — एक पुनर्विचार — मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3— निराला की साहित्य साधना (तीन भाग) — रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4— सुमित्रानंदन पंत : डॉ0 नगेन्द्र
5— छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6— महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त, नई दिल्ली, 1994
7— छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली, 1973
8— छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

दूसरा प्रश्नपत्र

निबंध और नाटक

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार सप्रसंग व्याख्या	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— चिंतामणि (भाग एक) : रामचंद्र शुक्ल (केवल छह निबंध — भाव या मनोविकार, करुणा, लोभ और प्रीति, कविता क्या है, लोकमंगल की साधनावस्था, रसात्मक बोध के विविध रूप)।

2— अशोक के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी (केवल छह निबंध – बसंत आ गया है, अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन, भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या, साहित्यकार का दायित्व, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)।

3— अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

4— स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद

5— आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश (व्याख्या 'अंधेर नगरी' से नहीं पूछी जाएगी)

अनुशंसित ग्रंथ :

1— रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2— दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3— रामचन्द्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4— आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

5— हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली

6— हिंदी नाटक – बच्चन सिंह

7— रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन

8— जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा

9— नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली

10— हिंदी नाट्‌यशास्त्र का स्वरूप – डॉ॰ नर्वदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना

तीसरा प्रश्नपत्र

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— भाषा : परिभाषा, तत्त्व, अंग, प्रकृति और विशेषताएं । भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं ।

2— भाषाविज्ञान – परिभाषा एवं स्वरूप, अंग, प्रमुख अध्ययन–पद्धतियाँ ।

3— स्वनविज्ञान – परिभाषा, स्वन, संस्वन और स्वनिम । औच्चारणिक स्वनविज्ञान (स्वनयंत्र और स्वन उत्पादन प्रक्रिया), स्वनभेद, मानस्वर, स्वनपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएं ।

4— स्वनिमविज्ञान – परिभाषा, स्वनिम के भेद – स्वनिम और उपस्वनिम, स्वनिमवितरण के सिद्धांत ।

5— रूपिमविज्ञान – शब्द और रूप (पद), संबंध तत्त्व और अर्थतत्त्व, रूप, संरूप, रुपिम और स्वनिम, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण ।

6— वाक्यविज्ञान – वाक्य की परिभाषा, संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य–रचना में परिवर्तन – कारण एवं दिशाएं ।

7— अर्थविज्ञान – शब्दार्थ सम्बन्ध विवेचन, अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

8— भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाएं – समाजभाषा विज्ञान, शैलीविज्ञान और कोशविज्ञान का सामान्य परिचय ।

9— संपर्क भाषा एवं राजभाषा के रूप में हिंदी

10— नागरी लिपि का मानकीकरण ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

2— भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद ।

3— सामान्य भाषाविज्ञान– बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

4— हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास – उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद ।

5— भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

6— राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद ।

7— भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

8— संपक्र भाषा हिंदी – सं॰ सुरेश कुमार, ठाकुर दास, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ।

9— राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार – डॉ॰ रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना

10— नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी – अनंत चौधरी, दिल्ली माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

11— समसामयिक हिंदी में रूपस्वानिमिकी – सुधाकर सिंह

चौथा प्रश्नपत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन का इतिहास, कालविभाजन, आदिकालीन साहित्यिक परम्पराएं – सिद्ध और नाथ साहित्य, जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताएं ।

2— भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, निर्गुण संत, प्रमुख सगुण भक्त, निर्गुण और सगुण भक्ति की मुख्य धाराएं और उनकी शाखाएं, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएं ।

3— भारत में सूफीमत का उदय और विकास, सूफीमत के सामान्य सिद्धांत, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएं ।

4— दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, रीतिकाल के मूल òोत, प्रमुख रीतिकवि, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएं ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2— हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3— हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4— हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

5— हिंदी साहित्य का अतीत (भाग–एक) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी ।

6— हिंदी साहित्य का इतिहास – सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

7— हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद

8— साहित्य का इतिहास–दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

9— हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

10— साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली

11— हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद ।

पाँचवाँ प्रश्नपत्र

छायावादोत्तर काव्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)

2— आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्य वीणा)

3— उर्वशी : दिनकर (तीसरा सर्ग)

4— संसद से सड़क तक : धूमिल (पटकथा)

अनुशंसित ग्रंथ :

1— मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2— नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3— अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली

4— समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली

5— समकालीन कविता का यथार्थ — परमांनद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

6— समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ — रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

7— अज्ञेय और नई कविता — चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

8— साहित्य और समय — अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

छठा प्रश्नपत्र

कथासाहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार सप्रसंग व्याख्या	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— गोदान : प्रेमचंद

2— बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी

3— शेखर — एक जीवनी : अज्ञेय

4— मैला आँचल — फणीश्वरनाथ रेणु

5— ***कहानियां*** — परिन्दे (निर्मल वर्मा), जिंदगी और जोंक (अमरकांत), चीफ की दावत (भीष्म साहनी), नन्हों (शिवप्रसाद सिंह) यही सच है (मन्नू भंडारी), भोलाराम का जीव (हरिशंकर परसाई), घंटा (ज्ञानरंजन), अपना रास्ता लो बाबा (काशीनाथ सिंह), माई का शोकगीत (दूधनाथ सिंह), तिरिछ (उदय प्रकाश)
(व्याख्या कहानियों से नहीं पूछी जाएगी)

अनुशंसित ग्रंथ :

1— प्रेमचंद और उनका युग — रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2— प्रेमचंद : एक विवेचन — इन्द्रनाथ मदान,

3— उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी — त्रिभुवन सिंह

4— अज्ञेय का कथासाहित्य — ओमप्रभाकर

5— विवेक के रंग — देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

6— हिंदी उपन्यास — शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी

7— अधूरे साक्षात्कार — नेमिचन्द्र जैन

8— कहानी नयी कहानी — नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

9— कहानी आंदोलन की भूमिका — बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद

10— आज की हिंदी कहानी — विजय मोहन सिंह, दिल्ली

सातवाँ प्रश्नपत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दुयुग से अब तक)

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— 1857 की राज्यक्रांति और सांस्कृतिक नवजागरण — भारतेन्दु और उनका मंडल — 19वीं शताब्दी के प्रमुख हिंदी पत्र और पत्रिकाएं — भारतेन्दुकालीन साहित्य की विशेषताएँ ।

2— महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग — 'सरस्वती' और हिंदी नवजागरण — द्विवेदी युग के प्रमुख गद्यलेखक — मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा ।

3— हिंदी में उपन्यास का उदय — प्रेमचंद का महत्व

4— छायावाद की विशेषता — प्रमुख छायावादी कवि ।

5— हिंदी में कथासाहित्य, नाटक, निबंध, समालोचना आदि गद्य विधाओं का उदय और विकास।

6— प्रगतिशील आंदोलन — प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएं — प्रयोगवाद और नयी कविता — नवगीत–अकविता आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार — नई कहानी — अकहानी — साठोत्तरी साहित्य की सामान्य विशेषताएं — नाटक में नए प्रयोग — स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य की उपलब्धियाँ ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2— हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास — हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3— हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास — रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद

4— हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास — बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

5— आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास — लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

6— हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं — अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

7— हिंदी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास — अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी

आठवाँ प्रश्नपत्र

इस प्रश्नपत्र में मूल भाषाओं अथवा प्रादेशिक भाषाओं में से कोई एक लेनी होगी। प्रत्येक छात्र मूल भाषाओं — संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश — में से कोई एक भाषा ले सकता है किंतु जिसने इंटरमीडिएट या इससे ऊपर के पाठ्यक्रम में इनमें से कोई भी भाषा पढ़ी होगी वह उस भाषा को एम0 ए0 में नहीं ले सकेगा ।

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार सप्रसंग व्याख्या प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

संस्कृत

पाठ्यांश :

1— रघुवंशम् : कालिदास (द्वितीय सर्ग)

2— पंचतंत्र (मित्र संप्राप्ति)

3— व्याकरण —

स्वरसंधि — दीर्घसंधि, गुणसंधि, वृद्धि संधि, यण् संधि, अयादि संधि ।

व्यंजन संधि — अनुस्वारसंधि, श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व ।

विसर्ग संधि — सत्व, रुत्व, उत्व, विसर्ग लोप ।

शब्द रूप — राम, हरि, गुरु, फल, बालिका ।

सर्वनाम — अस्मद्, युष्मद् ।

धातुरूप — भू, पठ्, लिख् (केवल लट्, लोट्, लङ्, विधि लिङ्, लृट्)

समास — अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वन्द्व, द्विगु, बहुव्रीहि ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— संस्कृत साहित्य का इतिहास — बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी

2— संस्कृत कविदर्शन — भोलाशंकर व्यास, चौखम्भा, वाराणसी

3— संस्कृत व्याकरण — ह्विट्ने, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

4— संस्कृत व्याकरण — सुदर्शन लाल जैन, वाराणसी ।

पालि

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार सप्रसंग व्याख्या प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— पालि जातकावली — पं0 बटुकनाथ शर्मा (1 से 12 जातक तक)

2— धम्मपद — भिक्षुधर्मरक्षित (1 से 12 बग्ग तक)

3— व्याकरण — स्वर सन्धि — सरोलोपों सरे, परोवाचि, न देवायु — वाण्णनने लीलता, यवा सरे, सवो न, गोस्सा वड0 7 व्यंजन सन्धि — व्यष नेदवीघरस्सा, सरम्हादे, चतुत्थ दुतिये वण्णं ततिव पटमा, वे वा, ए ओ न प वण्णे, 5— नामरूप पुलिंग — अस, मुनि, दंडी, भिक्षु, गो स्त्रीलिंग — लता रति, इत्थी, धेनु, वधँ

स्वर और व्यंजन परिवर्तन के सामान्य नियम ।

शब्द रूप — बुद्ध, फल, लता, मुनि, इत्थी,

(संज्ञा सर्वनाम) भिक्खु, गो, अन्त, अम्ह, तुम्ह, त

कृदन्त — तब्ब, जनीय, न्त, मान, इस

धातु रूप — भू, हस् पठ् ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— पालि महाव्याकरण — भिक्षु जगदीश कश्यप, बोधि महासभा, सारनाथ वाराणसी

2— पालि साहित्य का इतिहास — भरत सिंह उपाध्याय, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयोग ।

प्राकृत

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10	त्र	40
चार सप्रसंग व्याख्या प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1	त्र	10
				70 **पूर्णांक**

पाठ्यांश :

1— राजशेखर — कर्पूरमंजरी (संपूर्ण)

2— गाथा सप्तशती — प्रथम 100 गाथाएं ।

3— व्याकरण — संधि — (स्वर—संधि, व्यंजन संधि)

ध्वनि परिवर्तन — स्वर एवं व्यंजन संबंधी परिवर्तन ।

शब्द रूप — पुलिंग — पुत, वाऊ, पिअर (पिउ) ।

नपुंसक लिंग — फल, वहि, मुह

स्त्रीलिंग — माला रुई, वैणु, वूह

सर्वनाम — युष्मद्, अस्मद, तद्(तीनों लिंग में)

तद्धित — आलु, आल, हल्ल, उल्ल, त्त, त्तण, क, इव, मत् ।

कृदन्त — सूर, तुम, अ, तण, तुआण, ता ।

धातु रूप — वट्ट , हस, पठ ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— प्राकृत प्रकाश (वररुचि) : सरयू प्रसाद अग्रवाल, ओरिएंटल बुक एजेन्सी, पूना ।

2— प्राकृत साहित्य काइतिहास — जगदीश चन्द्र जैन

अपभ्रंश

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10	त्र	40
चार सप्रसंग व्याख्या प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1	त्र	10
				70 **पूर्णांक**

पाठ्यांश :

1— हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग (नामवर सिंह)

कालिदास, सरहपा, काण्हपा, देवसेन, जोइंदु, रामसिंह, अब्दुर्रहमान, सोमप्रभ, प्रबंध चिंतामणि, हेमचंद्र (छंद सं0 100 तक) ।

2— अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य के विकास का परिचय ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग — नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

2— अपभ्रंश साहित्य — हरिवंश कोछड़

3— प्राकृत अपभ्रंश साहित्य और उसका हिन्दी पर प्रभाव — रामसिंह तोमर, हिंदी परिषद, इलाहाबाद

4— अपभ्रंश भाषा का अध्ययन — वीरेंद्र श्रीवास्तव, एस0 चांद ऐंड कंपनी, दिल्ली ।

5— पुरानी हिंदी — चंद्रधर शर्मा ुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

6— अपभ्रंश के धार्मिक मुक्तक और हिंदी संतकाव्य — सदानंद शाही, लोकभारती, इलाहाबाद ।

प्रादेशिक भाषाएं

मूल भाषाओं के स्थान पर प्रादेशिक भाषाएं ली जा सकेंगी। इनमें से बंगला, मराठी, उर्दू, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ भाषाओं में से किसी एक आधुनिक प्रान्तीय भाषा का अध्ययन अपेक्षित हे। आधुनिक प्रदेशिक भाषाओं में से केवल वही भाषा ली जासकती है जो परीक्षार्थी की मातृभाषा न हो ।

बंगला

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— रामेर सुमति — शरद चन्द्र चट्टोपाध्याय ।
2— कथा ओ काहिनी — रवीन्द्रनाथ ठाकुर
3— साहित्य का इतिहास — बंगला साहित्येतर कथा — सुनीति कुमार चट्टोपाध्याय ।

मराठी

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

पाठ्यांश

1— शांतता कोर्ट चालू आहें (नाटक) — विजय तेंडूलकर, नीलकंठ प्रकाशन, पुणे ।
2— व्यक्ती आणि वल्ली (व्यक्तिक चित्रण) — पु0ल0 देशपांडे, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई ।
3— मराठी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
4— हिंदी से मराठी में और मराठी से हिंदी में अनुवाद ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— हिंदी से मराठी स्वयंशिक्षक — म0सु0 कुलकर्णी, चित्रशाला प्रकाशन, पुणे ।
2— मराठी स्वयंशिक्षक — डॉ0 ग0न0 साठे, महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे ।
3— आधुनिक मराठी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास — सूर्यनारायण सुमे
4— मराठी का आधुनिक साहित्य — मि0 सी0 देशपांडे
5— महाराष्ट्र सारस्वत — भावे एवं तुलपुले, पापुलर प्रकाशन, मुंबई

तेलुगु

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10
70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— पी. पी. हनुमन्त राव – साहित्य समालोचनम् (केवल साहित्योद्देशमु विमर्श कलोपासकुडु, कवि चित्रकारुडु नामक निबंध)

2— गुरजाड अप्पाराव : अण्णि मुत्थालु (केवल मेटिलड़ा और दिद्दुवाटु नामक कहानियां)

3— तेलुगु साहित्य के संक्षिप्त इतिहास के अन्तर्गत केवल निम्न दस युगों तथा लेखकों के बारे में अति साधारण परिचय प्राप्त करना आवश्यक है।

1— तेलुगु साहित्य का आदिकाल, 2— कवित्रययुगमु, 3— श्रीनाथ युगमु, 4— प्रबंधयुगमु, 5— दक्षिण शुवागमु, 6— क्षीणयुगमु, 7— आधुनिक युगमु, 8— नन्नय, 9— तिक्कन, 10— एर्रन, 11— श्री नायडू, 12— पोतन, 13— वेमन, 14— श्रीकृष्णदेवरायलु, 15— सुरन्न, 16— रामकृष्णु, 17— विन्नवसूरि, 18— वीरेशलिंगम्, 19— गुरजाड, अप्पाराव, 20— राय प्रोलु सुब्बा राव, 21— विश्वनाथ सत्यनारायण, 22— करुण्त्री, 23— श्रीश्रीनारायण रेड्डी, 24— दाशरथी ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— बालशौरि रेड्डी : तेलुगु साहित्य का इतिहास – सं0 लक्ष्मीरंजयम् और अनु0 कु0 दयावन्ती तेलुगु साहित्य का इतिहास (उपर्युक्त दोनों ग्रन्थ चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी में उपलब्ध होते हैं।

2— बेमूरि राधा कृष्ण : तेलुगु के आधुनिक कवि।

3— तेलुगु स्वयं शिक्षक (अंतिम दोनों ग्रंथ दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास से प्राप्त हो सकते हैं)।

कन्नड़

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न — 4 ग 10 त्र 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10
70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— विमर्श भाग–1, श्रीनिवास – श्रीमस्ती व्यंकटेश आयंगर, वावीपुरम इन्टेन्शन बंगलोर–19

2— गरुड़ गम्बड़ दौस्यया – श्रीगौर रामस्वामी आयंगर सत्यशोधन प्रकटन मंदिर, फोर्ट, बंगलोर ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— कन्नड़ साहित्य चरित्र – डॉ0 आर0 एस0 मगली, उषा साहित्य माला, मैसूर–1 (वासयुग, कुमार व्यासयुग और आधुनिक युग से परिचयात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे)।

उर्दू

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न — 4 ग 10 त्र 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10

70 **पूर्णांक**

पाठ्यांश :

1— खत क्रिताबत (दूसरी किताब), मकतबा जामिया लिमिटेड ।

2— खत किताबत (तीसरी किताब), मकतबा जामिया लिमिटेड

3— इस्मत चुगताई, तीन अनाड़ी — मकतबा जामिया लिमिटेड

4— प्रो.एहतेशाम हुसेन : उर्दू की कहानी — इदारा फरागे उर्दू, अमीर उद्दौला पाक्र, लखनऊ ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— प्रो0 एहतेशान हुसैन —उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की—ए—उर्दू, ओन्यू हाउस, नयी दिल्ली ।

तमिल

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10	त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1	त्र	10

70 **पूर्णांक**

पाठ्यांश :

1. ब्पतनांजीं पा ज्ञंसंदपअं ंदक इल क्तण ब्ण् बेमज पंत ैपजलं ।ांकमउपए छमू क्मसीप ;जीम पितेज जमद ेजवतपमेद्धण

2ण न्संहंउ ब्नतपदंद इल ब्ण् ैनइतंउंदपंउ ।उंउकं छपामजंदए डंकतें ;जीम पितेजथ्पअम बिंचजमतेद्धण

ठववो त्मबवउउमदकमक रू

1ण ज्ंउपस ैपजलं ंनत ैदोतपज रू ।ूंकी छंदकंदए ठपींत तैजतं ठींींॅंउपजपए च्ंजदं

2ण ।ठ६ व िज्ंउपसए च्तप छपसंलंउए डंकतें.1

3ण ज्ंउपस ब्नतेम वित म्नतवचमंद ैबीववस ज्ञमतेसांम ंदक ।पअमतए ब्ण्ैण्ठववा

4ण ज्ंउपस ैपजलं ज्ञं प्जपीं इल च्नतंदंउ ैवउेंनदकंतंउण

एम0 ए0 (हिंदी) द्वितीय वर्ष

नवाँ प्रश्नपत्र

आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10	त्र	40
चार सप्रसंग व्याख्या प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1	त्र	10

70 **पूर्णांक**

पाठ्यांश :

1— पृथ्वीराज रासो : चंदबरदाई (सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) केवल

शशिव्रता विवाह प्रस्ताव (आरंभ से छंद सं0 120 तक)

2— कीर्तिलता : विद्यापति (सं0 शिवप्रसाद सिंह) केवल द्वितीय पल्लव

3— पदावली : विद्यापति (शिवप्रसाद सिंह) 30 पद (पद सं0 1, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 16, 18, 19, 23, 26, 36, 47, 51, 52, 53, 54, 58, 61, 78, 79, 81, 82, 94, 95, 102)

4— कबीर ग्रंथावली (सं0 श्यामसुंदर दास)
साखी : विरह कौं अंग, निहकर्मी पतिव्रता कौं अंग
25 पद (सं0 1, 2, 3, 4, 5, 11, 12, 16, 21, 31, 32, 39, 40, 41, 48, 51, 59, 65, 72, 111, 122, 124, 130, 133, 137द्ध

5— जायसी ग्रंथावली (सं0 रामचन्द्र शुक्ल) नखशिख, मानसरोदक, नागमती विरह ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— पृथ्वीराज रासो की भाषा – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2— हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

3— कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4— कीर्तिलता और विद्यापति का युग – अवधेश प्रधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

5— विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

6— जायसी – विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद

7— सूफी मत : साधना और साहित्य – रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी

8— हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

9— नाथपंथ और संत साहित्य – नागेन्द्र नाथ उपाध्याय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

10— संत साहित्य – राधेश्याम दूबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

11— चंदबरदाई – शांता सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली

12— जायसी – सं0 सदानंद शाही, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

दसवाँ प्रश्नपत्र
सगुण भक्ति काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10	त्र	40
चार सप्रसंग व्याख्या प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— भ्रमरगीत सार : सूरदास (सं0 रामचन्द्र शुक्ल) 50 पद (सं0 2, 7, 8, 9, 10, 14, 16, 20, 21, 23, 24, 25, 27, 28, 29, 34, 38, 41, 42, 43, 44, 51, 52, 53, 54, 56, 57, 61, 62, 64, 65, 66, 69, 75, 76, 83, 85, 89, 91, 92, 94, 95, 98, 100, 111, 115, 121, 122, 171, 175)

2— रामचरित मानस : तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण)
बालकांड (दोहा सं. 43 तक), अयोध्याकांड (दोहा सं0 272 से 292 तक)

उत्तरकांड (दोहा सं0 103 से 130 तक)

3— मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली—110002 (15 पद — मण थें परस हरि रे चरण, जनक हरि, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्यारी, म्हांरा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग राची, मैं गिरधर के घर जाऊं, माई री म्हाँ लियां गोविदाँ मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, यें मत बरजां माइरी, नहिं सुख भावै थांरो देसलड़ो रंगरूड़ो, राणाजी म्हाने या बदनामी लागै मीठी, पग बांध घूँघरःया णाच्यारी, राणाजी थे जहर दियो म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो, या ब्रज में कछू देख्यो री टोना)

अनुशंसित ग्रंथ :

1— सूरदास — रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2— महाकवि सूरदास — नंददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली

3— सूरसाहित्य — हजारी प्रसाद द्विवेदी , हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई

4— गोस्वामी तुलसीदास — रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

5— गोसाईं तुलसीदास — विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी

6— तुलसीदास और उनका युग — राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, वाराणसी

7— मानस दर्शन — श्रीकृष्ण लाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी

8— भक्तिकाव्य और लोक जीवन — शिवकुमार मिश्र, दिल्ली

9— भक्तिकाव्य की भूमिका — प्रेमशंकर, नई दिल्ली

10— लोकवादी तुलसीदास — विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

11— भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद — राधेश्याम दूबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी

12— मीराबाई — श्रीकृष्ण लाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी ।

ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र

संस्कृत काव्यशास्त्र

समय : तीन घंटे

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास — सामान्य परिचय ।

2— काव्य का लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्यप्रयोजन

3— रससिद्धान्त — रस की अवधारणा, रसनिष्पत्ति और साधारणीकरण ।

4— ध्वनिसिद्धांत — ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का òोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्व।

5— अलंकार सिद्धांत — अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धांत एवं अन्य सम्प्रदाय ।

6— रीति सिद्धांत — रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण ।

7— वक्रोक्ति सिद्धांत – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व ।

8— औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— भारतीय साहित्य शास्त्र – गणेश–×यंबक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना

2— रसमीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

3— संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय

4— रस प्रक्रिया – शंकर देव अवतरे, दिल्ली

5— हिस्ट्री आफ संस्कृत पोएटिक्स – पी0 बी0 काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

6— काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

7— भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

8— ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी

9— काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

बारहवाँ प्रश्नपत्र
आधुनिक भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10	त्र	40
चार लघुउत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— सहòफण : विश्वनाथ सत्यनारायण

2— आग का दरिया : कुर्रतुल ऐन हैदर

3— संस्कार : यू0 आर0 अनंतमूर्ति

4— अक्करमाशी : शरण कुमार लिंबाले

5— घासीराम कोतवाल : विजय तेंडुलकर

6— रवीन्द्रनाथ की 51 कविताएं (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली)

(उपर्युक्त सभी मूल से हिन्दी में अनूदित कृतियां ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं। इनसे व्याख्या नहीं पूछी जाएगी ।)

अनुशंसित ग्रंथ :

1— इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेन्डेन्स, सं0 के0 एस0 आर0 आयंगर, साहित्य अकादमी, दिल्ली

2— कंपरेटिव लिटरेचर, नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

3— भारतीय साहित्य, नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी

4— भारतीय साहित्य, भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी

5— भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल , दिल्ली

6— संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर, उदयाचल, पटना

7— मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली

8— आधुनिक भारतीय चिंतन – विश्वनाथ नखणे, राजकमल, दिल्ली

तेरहवाँ प्रश्नपत्र
रीतिकाव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार सप्रसंग व्याख्या प्रश्न		— 4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— रामचंद्रिका : केशवदास केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं0 लाला भगवानदीन (11वाँ प्रकाश – छंद सं0 1 से 41 तक और 12 के प्रकाश – छंद सं0 1 से 50 तक)

2— बिहारी (सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) दोहा सं0 1, 2, 3, 4, 6, 9, 11, 13, 14, 19, 20, 26, 27, 30, 31, 32, 34, 35, 36, 38, 40, 41, 42, 43, 47, 50, 52, 54, 56, 61, 64, 67, 76, 77, 78, 79, 82, 85, 89, 96, 101, 107, 119, 123, 146, 163, 168, 170, 177, 183, 191, 199, 214, 224, 238, 241, 248, 263, 270, 274, 279, 296, 305, 309, 316, 325, 326, 330, 353, 354, 357, 376, 388, 391, 393, 395, 396, 401, 403, 414, 427, 438, 440, 451, 464, 467, 473, 474, 480, 490, 494, 530, 577, 593, 598, 612, 659, 694, 708, 711 ।

3— घनानंद कवित्त (सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) 40 छंद (छंद सं0 1 से 17 तक, 19, 20, 21, 22, 23, 25, 29, 39, 43, 50, 51, 57, 59, 66, 68, 70, 71, 82, 84, 86, 87, 94, 97 ।

4— उद्धवशतक : रत्नाकर – 25 छंद (मंगलाचरण, न्हात जमुना में, आए भुजबंध दए, देखि दूरि ही तैं, बिरहबिथा की कथा, नंद और जसोमति के, चलत न चार्यौ, रूप–रस पीवत, ऊधव कैं चलत, भेजे मनभावन के, दीन दसा देखि, पंचतत्व में जो सत्ता, रस के प्रयोगनि के, ऊधौ कहौ सूधो सो, कान्हदूत कैंधौं, आए हौ सिखावन कौं, कर बिन कैसे गाय दूहिहै, चाहत निकारत तिन्हैं, धाई जिततित ते विदाई हेतु, प्रेममद छाके पग परत ।)

अनुशंसित ग्रंथ :

1— रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

2— रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना – बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

3— केशव का आचार्यत्व – विजयपाल सिंह, राजपाल ऐंड संस, दिल्ली

4— बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

5— घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा – मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

6— मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएँ – रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

चौदहवाँ प्रश्नपत्र
पाश्चात्य साहित्य – सिद्धांत

समय : तीन घंटे

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— प्लेटो – प्रत्यय सिद्धान्त, काव्यप्रेरणा, अनुकृति, काव्य पर आरोप ।

2— अरस्तू – अनुकृति, विरेचन, त्रासदी, प्लेटो और अरस्तू ।

3— लोजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा ।

4— वड्òवर्थ – काव्यभाषा का सिद्धांत

5— कॉलरिज – कल्पना और फैन्सी

6— क्रोचे – अभिव्यंजनावाद

7— टी॰ एस॰ इलियट – परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत , वस्तुनिष्ठ समीकरण ।

8— आई ए॰ रिचड्ò – मूल्यसिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत ।

9— नई समीक्षा' की प्रमुख अवधारणाएं ।

10— शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म) और स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म), यथार्थवाद, साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्यिक शैली विज्ञान का सामान्य परिचय)

अनुशंसित ग्रंथ :

1— लिटरेरी क्रिटिसिज्म – ए शार्ट हिस्ट्री : विम्डासाट विलियम्स के ऐंड क्लीन्थ बुक्स, लंदन ।

2— पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

3— नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन, राजकमल, दिल्ली

4— पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र : सिद्धांत और परिदृश्य – नगेन्द्र

5— कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली

6— पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

7— आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली

8— आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह

9— साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र

हिंदी समीक्षा

समय : तीन घंटे

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, डॉ॰ नगेन्द्र और नामवर सिंह के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन ।

2— प्रेमचंद, प्रसाद, निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध के साहित्य चिंतन का आकलन ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल , दिल्ली

2— हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल, दिल्ली

3— हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार — रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद

4— आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य — शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद

5— आलोचक और आलोचना — बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

6— रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना — रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली

7— दूसरी परम्परा की खोज — नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली

8— साहित्य का नया शास्त्र — गिरिजा राय, इलाहाबाद

9— हिंदी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव — राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

सोलहवाँ प्रश्नपत्र

विशेष अध्ययन

नोट : इस प्रश्नपत्र से निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का चयन विभागध्यक्ष की अनुमति से करना होगा ।

क— साहित्यकार विशेष

जायसी, सूर, तुलसी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचन्द, प्रसाद, निराला, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, मुक्तिबोध, यशपाल, जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर ।

ख— साहित्य–प्रवृत्ति विशेष :

संतकाव्य, रीतिकाव्य, आधुनिक हिंदी साहित्य 1919—1947, स्वातं×योत्तर हिन्दी साहित्य ।

ग— भाषापरक एवं विविध :

हिन्दी भाषा शिक्षण, अनुवाद : सिद्धान्त एवं प्रयोग, प्रयोजनमूलक हिंदी, बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति, हिंदी पत्रकारिता : इतिहास–सिद्धान्त औरप्रयोजन, हिन्दी नाटक एवं रंगमंच, हिन्दीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य, भारतीय साहित्य, लोकसाहित्य ।

जायसी

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र 10
			70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— पद्मावत — (मानसरोदक, सिंहलदीप वर्णन, नशखिश, नागमती वियोग को छोड़कर)

2— अखरावट (सम्पूर्ण)

3— आखिरी कलाम (संपूर्ण)

4— सूफी काव्यधारा का विकास (केवल आलोचनात्मक प्रश्न के लिए)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— सूफीमत साधना और साहित्य — डॉ0 रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, काशी ।

2— तसव्वुफ अथवा सूफीमत — पं0 चन्द्रबली पाण्डेय

3— हिन्दी सूफी कवि और काव्य — सरला शुक्ल

4— जायसी, विजयदेवनारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग

5— जायसी — सं0 सदानंद शाही, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद ।

सूरदास

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— सूरसागर—सार (संपूर्ण) — सं0 धीरेन्द्र वर्मा, नवीन संस्करण ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— सूरदास — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2— सूर—साहित्य — आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3— अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय — डॉ0 दीनदयाल गुप्त — हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग ।

4— सूर और उनका साहित्य — डॉ0 हरिवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़ ।

5— हिंदी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका — डॉ0 रामनरेश वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

6— सूरदास — नंददुलारे वाजपेयी

7— सूरदास और कृष्ण भक्ति काव्य : डॉ0 मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

8— हिन्दी कृष्णभक्ति साहित्य : मधुर भाव की उपासना —प्रो0 पूर्णमासी राय, भारती भवन, पटना।

9— मीरा का काव्य — डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी, रा0 कु0 दिल्ली ।

10— मीराबाई — डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी ।

तुलसीदास

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

पाठ्य ग्रंथ :

1— रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड—सम्पूर्ण) 326 दोहा — गीता प्रेस, गोरखपुर

2— कवितावली (केवल उत्तरकाण्ड, कुल 183 छंद)

3— विनय पत्रिका — चुने हुए कुल 51 पद ।

पद सं0 — 1, 3, 4, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 73, 76, 78, 79, 85, 88, 89, 90, 94, 97, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 111, 113, 114, 115, 121, 124, 155, 156, 158, 159, 160, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 169, 172, 174, 185, 198, 201, 269, 272)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1- गोस्वामी तुलसी दास — आ0 रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काषी ।

2- मानस दर्षन – डा0 श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, काषी।

3- तुलसी और उनका युग– डा0 राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी।

4- रामकथा का विकास – कामिल बुल्के हिंदी परिषद, प्रयाग।

5- मानस की रुसी भूमिका (हिन्दी अनुवाद)– वारान्निकोव, विद्यामंदिर, लखनऊ।

6- लोकवादी तुलसी – डा0 विष्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाषन, नई दिल्ली।

7- तुलसी दास – ग्रियर्सन, राजकमल प्रकाषन नई दिल्ली।

भारतेन्दु

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		– 10 ग 1	त्र	10
			70	**पूर्णांक**

पाठ्य ग्रंथ :

1– भारतेन्दु के निबंध – सं0 डा0 केशरीनारायण शुक्ल, प्रकाशन, सरस्वती मंदिर, वाराणसी ।

2– भारतेन्दु ग्रंथावली भाग–1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (भारत दुर्दशा, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, नीलदेवी, चंद्रावली)

3– भारतेन्दु ग्रंथावली भाग–2, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी प्रेममालिका, प्रेमसरोवर, प्रेम माधुरी, प्रेमाश्रुवर्षन, प्रेम प्रलाप, कृष्णचरित्र माला)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1ण भारतेन्दु और उनके सहयोगी– डा0 किषोरी लाल गुप्त, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय,वाराणसी।

2ण भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा –डा0 राम विलास शर्मा, रामकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।

3ण पत्र–पत्रिकाओं का इतिहास– डा0 राम रतन भटनागर।

4ण आधुनिक हिन्दी साहित्य – डा0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, प्रयाग।

5ण भारतेन्दु हरिष्चन्द्र – डा0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाषन नई दिल्ली।

प्रेमचन्द

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		– 10 ग 1	त्र	10
			70	**पूर्णांक**

पाठ्यांश :

उपन्यास – 1– सेवासदन, 2– प्रेमाश्रम, 3– रंगभूमि, 4– कर्मभूमि

नाटक – कर्बला ।

आलोचना – साहित्य का उद्देश्य ।

कहानियां – कफन, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी , नशा, सवा सेर गेहूँ, सदगति, मनोवृत्ति, ठाकुर का कुंआ, रामलीला, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, लाटरी, दूध का दाम, दो बैलों की कथा ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– प्रेमचंद – घर में – शिवरानी देवी ।
2– प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान ।
3– प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
4– प्रेमचंद : कलम का सिपाही – अमृतराय ।
5– प्रेमचंद – मदनगोपाल ।
6– प्रेमचंद – जीवन, कला एवं कृतित्व – हंसराज रहबर ।
7– प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी ।
8– कथाकार प्रेमचंद – मन्मथनाथ गुप्त
9– प्रेमचंद : एक अध्ययन – राजेश्वर गुरु ।
10– प्रेमचंद की उपन्यास कला – जनार्दन प्रसाद राय ।
11– प्रेमचंद एवं भारतीय किसान – रामवक्ष
12– प्रेमचंद : गंगा प्रसाद विमल
13– प्रेमचंद के साहित्य सिद्धान्त – नरेन्द्र कोहली
14– प्रेमचंद : एक कला व्यक्तित्व – जैनेन्द्र
15– प्रेमचंद स्मृति – सं0 अमृतराय ।
16– प्रेमचंद : चिंतन और कला – सं0 इन्द्रनाथ मदान ।
17– प्रेमचंद और गोर्की – श्री मधु, प्रगति प्रकाशन, मास्को ।
18– हिंदी उपन्यास : विशेषतः प्रेमचंद : नलिन विलोचन शर्मा ।

जयशंकर प्रसाद

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	–	10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1– आंसू (संपूर्ण)
2– लहर – (प्रलय की छाया, अशोक की चिंता, पेशोला की प्रतिध्वनि, शेरसिंह का शस्त्र–समर्पण)
3– अजातशत्रु
4– जनमेजय का नागयज्ञ
5– कामना
6– ध्रुवस्वामिनी
7– कंकाल
8– तितली
9– कहानी : भिखारिन, प्रतिध्वनि, चूड़ीवाली, देवदासी, बिसाती, आंधी, मधुआ, बेड़ी, नीरा, ब्रतभंग, गुंडा, विरामचिह्न, सलीम, सालवती, देवरथ ।

10— काव्य कला तथा अन्य निबंध ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— जयशंकर प्रसाद — आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

2— नया साहित्य : नये प्रश्न : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, नई दिल्ली ।

3— जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला — डॉ0 रामेश्वर खण्डेलवाल

4— प्रसाद और उनका साहित्य — विनोद शंकर व्यास ।

5— प्रसाद का काव्य — डॉ0 प्रेमशंकर, भारती भंडार, इलाहाबाद

6— प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन — डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

7— प्रसाद का जीवन और साहित्य — डॉ0 रामरतन भटनागर

8— हिंदी नाटक — डा0 बच्चन सिंह

9— प्रसाद का गद्य साहित्य — डॉ0 राजमणि शर्मा

10— प्रसाद :दुखान्त नाटक — रामकृष्ण शुक्ल श्रीमुख

11— नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान — डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एंड संस, मेन बाजार, गांधीनगर, दिल्ली।

निराला

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

काव्य — 1— अनामिका, 2— गीतिका, 3— तुलसीदास, 4— नए पत्ते ।

कथा साहित्य — 1— बिल्लेसुर बकरिहा, 2— कुल्ली भाट, 3— चतुरी चमार, 4— देवी ।

निबंध — प्रबंध प्रतिमा ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— निराला की साहित्य साधना — भाग—1, 2, 3, डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली

2— निराला एक आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

3— क्रांतिकारी कवि निराला — डॉ0 बच्चन सिंह

4— निराला के पत्र — जानकी वल्लभ शास्त्री

5— महाकवि निराला : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी ।

6— निराला : डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

7— छायावाद — डॉ0 नामवरसिंह, राजकमल, दिल्ली ।

8— नवजागरण और छायावाद — डॉ0 महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

9— भारतीय नवोत्थान और निराला — डॉ0 महेन्द्रनाथ राय, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी

10— रचना प्रक्रिया और निराला — डॉ0 शिवकरण सिंह

रामचन्द्र शुक्ल

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
			70	**पूर्णांक**

पाठ्यांश :

1— चिंतामणि भाग—1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2— चिंतामणि भाग—2, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

3— चिंतामणि भाग—3 — सं0 डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

4— रस मीमांसा — सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

सूचना — 1— आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि पर भी प्रश्न पूछा जायेगा ।

2— व्याख्या केवल चिंतामणि से पूछी जायेगी।

अनुशंसित ग्रंथ :

1ण

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
			70	**पूर्णांक**

पाठ्यांश :

उपन्यास— वाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा, मेघदूत एक पुरानी कहानी ।

निबंध — अशोक के फूल, कुटज, कल्पलता

समीक्षा — कबीर, सूर—साहित्य

इतिहास— हिंदी साहित्य की भूमिका, हिंदी साहित्य का आदिकाल ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— शान्ति निकेतन से शिवालिक — सं0 डा0 शिवप्रसाद सिंह ।

2— दूसरी परम्परा की खोज — डॉ0 नामवर सिंह

3— हजारी प्रसाद द्विवेदी — सं0 विश्वनाथ त्रिपाठी

4— उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी : डा0 त्रिभुवन सिंह

5— आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य — डॉ0 चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

6— आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी — व्यक्तित्व एवं कृतित्व, सं0 गणपति चन्द्र गुप्त ।

अज्ञेय

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न — 4 ग 10 त्र 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10
70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

काव्य — 1— बावरा अहेरी, 2— आंगन के पार द्वार, 3— हरी घास पर क्षणभर ।
कथा साहित्य — नदी के द्वीप एवं मेरी प्रिय कहानियाँ ।
निबंध — त्रिशंकु

अनुशंसित ग्रंथ :

1— अज्ञेय का कथा साहित्य — ओमप्रभाकर ।
2— अज्ञेय के उपन्यासों की शिल्पविधि — सत्यपाल चुघ ।
3— अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या — रामस्वरूप चतुर्वेदी
4— शिखर से सागर तक — डॉ0 रामकमल राय ।
5— अज्ञेय और नयी कविता — डॉ0 चन्द्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

मुक्तिबोध

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न — 4 ग 10 त्र 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10
70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1. चाँद का मुँह टेढ़ा है (ओ विराट स्वप्नों, हे प्रखर सत्य, जब प्रश्नचिह्न बौखला उठे, जमाने का चेहरा, ब्रह्मराक्षस, चकमक की चिनगारियां, चांद का मुंह टेढ़ा है, दिमागी गुहांधकार का उरांग–उटांग)
2— कथासाहित्य — ब्रह्मराक्षस का शिष्य, काठ का सपना, पक्षी और दीमक, क्लाड ईथरली, विपात्र ।
3— एक साहित्यिक की डायरी
4— नए साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र

अनुशंसित ग्रंथ :

1— कविता के नए प्रतिमान — नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2— नयी कविता और अस्तित्ववाद — रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3— मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना — नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4— मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया — अशोक चक्रधर, मैकमिलन, दिल्ली ।
5— मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध काव्यकला के प्रतीक — चंचल चौहान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।

यशपाल

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न — 4 ग 10 त्र 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10
70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

उपन्यास– झूठा, सच, देशद्रोही, दादा कामरेड, मनुष्य के रूप, मेरी तेरी उसकी बात ।
कहानी – पराया सुख, तुमने क्यों कहा था मैं सुन्दर हूँ, परदा, फूलों का कुरता, प्रतिष्ठा का बोझ, संकटमोचक, मक्रील, दूसरी रात, शम्बूक, आतिथ्य, धर्मरक्षा, दाम ही दास ।
निबंध – चक्कर क्लब, गांधीवाद की शव परीक्षा ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– यशपाल : हिंदी कथा साहित्य – सुरेशचन्द्र तिवारी
2– मार्क्सवाद और उपन्यासकार यशपाल – पारसनाथ मिश्र ।
3– यशपाल : उपन्यास, स्नेहलता शर्मा
4– यशपाल के उपन्यास का विश्लेषणात्मक अध्ययन – सुदर्शन मलहोत्रा ।
5– यशपाल और मानिक बंदोपाध्याय, डॉ0 सदाशिव द्विवेदी, सामाजिक प्रकाशन, दिल्ली ।

जैनेन्द्र

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न — 4 ग 10 त्र 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10
70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

उपन्यास– परख, सुनीता, त्यागपत्र, अनामस्वामी ।
कहानी – जैनेन्द्र की सर्वश्रेष्ठ कहानियां (सभी कहानियां) ।
निबंध – साहित्य का श्रेय व प्रेय, अकाल पुरुष गांधी ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन – डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव
2– जैनेन्द्र के उपन्यासों में नारी परिकल्पना – डॉ0 अन्नपूर्णा सिंह
3– आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य और मनोविज्ञान – डा0 देवराज उपाध्याय
4– आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिंदी उपन्यास – अतुल वीर अरोड़ा ।
5– कथाकार जैनेन्द्र – डा0 बच्चन सिंह

अमृतलाल नागर

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न — 4 ग 10 त्र 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— शतरंज के मोहरे, 2— सेठ बाँकेमल, 3— ये कोठे वालियां, 4— बूँद और समुद्र, 5— एकदा नैमिषारण्ये, 6— अमृत और विष, 7— करवट, 8— पीढ़ियां, 9— मेरी प्रिय कहानियां ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन – गणेशन ।

2— हिन्दी उपन्यास – रामदरश मिश्र

3— हिन्दी उपन्यास –सुषमा धवन ।

4— आज का हिन्दी उपन्यास – इन्द्रनाथ मदान ।

5— आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास – अतुल वीर अरोड़ा ।

6— हिंदी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव – भारत भूषण अग्रवाल ।

संतकाव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग	10	त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग	5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग	1	त्र	10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— गोरखबानी : सं0 डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल – हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग । (आरंभिक 75 सबदियां)।

2— संत काव्य संग्रह : सं0 परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्करण, किताब महल, इलाहाबाद ।

नामदेव – (सम्पूर्ण), कबीर – पद सं0 1 से 25 तक ।

नानक (केवल पद) – सुन्दरदास (छोटे) संपूर्ण ।

पलटू – (संपूर्ण) ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. नाथ सम्प्रदाय – आर्चाय हजारी प्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य में निर्गुण सम्प्रदाय – डा0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल।
3. सन्त साहित्य – डॉ0 राधेष्याम दूबे, विष्वविद्यालय प्रकाषन, वाराणसी।
4. हिंदी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति– डा0 श्यामसुन्दर शुक्ल, विष्वविद्यालय प्रकाषन, वाराणसी।
5. उत्तरभारत की सन्त परम्परा – डा0 परषुराम चतुर्वेदी, किताब महल प्रयाग।

रीतिकाव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग	10	त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग	5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग	1	त्र	10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— मतिराम ग्रंथावली (रसराज, छंद सं0 1 से 110 तक) – गंगा पुस्तक माला, लखनऊ ।

2— जगदविनोद – पद्माकर (छंद सं0 604 से लेकर 726 तक), वाणीवितान, काशी ।

3— कविप्रिया – केशवदास (केवल नवम प्रभाव), कल्याणदास एण्ड ब्रदर्स, ज्ञानवापी, वाराणसी ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— रीतिकाव्य की भूमिका – डा0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

2— भारतीय साहित्य शास्त्र और काव्यालंकार – डॉ0 भोलाशंकर व्यास ।

3— पद्माकर – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

4— रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना – डॉ0 बच्चन सिंह, ना0प्र0सभा, काशी

5— केशव का आचार्यत्व – डा0 विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस, दिल्ली।

6— महाकवि मतिराम – डा0 त्रिभुवन सिंह, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

7— रीतिकालीन काव्य सिद्धान्त – डॉ0 सूर्यनारायण द्विवेदी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।

8— हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग–2, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी ।

आधुनिक हिंदी साहित्य (सन् 1919 से 1947)

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1 त्र	10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

कविता :

1— लहर – जयशंकर प्रसाद (केवल प्रलय की छाया)

2— तुलसीदास – निराला (संपूर्ण)

3— आधुनिक कवि – महादेवी वर्मा, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

(चुने हुए 10 गीत – निशा की धो देता राकेश, घोर तम छाया चारों ओर, जिस दिन नीरव तारो से, मधुरिमा के मधु के अवतार, चुभते ही तेरा अरुण बान, कह दे मां क्या देखूँ, प्राणों के अंतिम पाहुन, क्या पूजन क्या अर्चन रे, प्रिय सान्ध्य गगन, चिर सजग आंखे उनींदी, सो रहा है विश्व ।)

4— पंत : आधुनिक कवि, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

(10 कविताएं चुनी हुई – उच्छ्वास की बालिका, मौन निमंत्रण, अनित्य जग, निष्ठुर परिवर्तन, नित्य जग, चांदनी, मानव, महात्मा जी के प्रति, ताज, कहारों का रुद्र नित्य)।

5— नागार्जुन – प्रतिनिधि कविताएं, सं0 डा0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

(निम्नलिखित पांच कविताएं – बहुत दिनों के बाद, अकाल और उसके बाद, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)।

6— केदारनाथ अग्रवाल – आधुनिक कवि, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

(केवल पांच कविताएँ– बसंती हवा, चंदगहना से लौटती बेर, धूप, प्रकृति, यथार्थ और मैं, पाब्लो नेरूदा के प्रति।)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. आधुनिक साहित्य – आचार्य नंद दुलारे बाजपेयी।
2. प्रसाद का काब्य – डा0 प्रेम शंकर।
3. हिन्दी नाटक – डा0 बच्चन सिंह।
4. छायावाद – डा0 नामवर सिंह ।
5. निराला की साहित्य साधना – डा0 रामविलास शर्मा, भाग–1, भाग–2, भाग–3, राजकमल प्रकाषन नई दिल्ली।
6. नवजागरण और छायावाद – डा0 महेन्द्र नाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाषन, नई दिल्ली।
7. रचना प्रक्रिया और निराला– डा0 षिव करन सिंह, संजय बुक सेन्टर, बुलानाला, वाराणसी।
8. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डा0 रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती,इलहाबाद।

स्वातं×योत्तर हिंदी साहित्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	–	10 ग 1 त्र	10
			70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1– रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

2– एक दुनिया समानांतर – सं0 राजेन्द्र यादव
(खोई हुई दिशाएं, एक और जिंदगी, तीसरी कसम, बदबू, सेलर)

3– कबिरा खड़ा बाजार में – भीष्म साहनी

4– प्रतिनिधि कविताएँ – नागार्जुन, सं0 डॉ0 नामवर सिंह
(प्रतिबद्ध हूँ, हरिजन गाथा, पैने दाँतों वाली, अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद)

5– हंसो हंसो जल्दी हंसो – रघुवीर सहाय
(चुनी हुई कविता – दो अर्थ का भय, आज का पाठ है, हंसो हंसो जल्दी हंसो, चेहरा, हैं हैं हैं।

6– प्रतिनिधि कविताएं – केदारनाथ सिंह, सं0 परमानन्द श्रीवास्तव
(चुनी हुई कविताएं – रोटी, जमीन , पानी में घिरे हुए लोग, बनारस, टूटा हुआ ट्रक)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक (सं0) अज्ञेय, ज्ञानपीठ ।

2– समकालीन कविता का यथार्थ – डा0 परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा अकादमी

3– मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया – अशोक चक्रधर ।

4– भाषा औरसंवेदना – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती पकाशन, इलाहाबाद

5– एक साहित्यिक की डायरी – गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6— कविता के नये प्रतिमान – डा0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

7— नयी कविता : स्वरूप और संवेदना – डा0 जगदीश गुप्त ।

8— समकालीन हिंदी कहानी – दिशा और दृष्टि – सं0 डा0 धनंजय ।

9— नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति – सं0 देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

10— आधुनिकता और उपन्यास – डॉ0 इन्द्रनाथ मदान ।

11— रंगदर्शन – नेमिचन्द जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

12— आधुनिक परिवेश और नवलेखन – डा0 शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती इलाहाबाद ।

13— नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – डा0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एंड संस, दिल्ली ।

14— कहानी : नयी कहानी, डा0 नामवर सिंह – लोकभारती, इलाहाबाद ।

15— नई कविता और अस्तित्ववाद – डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्र0 दिल्ली ।

16— शब्द और मनुष्य – परमानंद श्रीवास्तव – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

17— आधुनिक कविता के बदलते प्रतिमान – डा0 श्रीनिवास पाण्डेय, आशुतोष प्रकाशन, वाराणसी ।

18— जनवादी समझ और साहित्य – डा0 रामनारायण शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

19— समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – डा0 रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

हिन्दी भाषा शिक्षण

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

1— भाषा–शिक्षण के विविध आयाम :

भाषा और शिक्षण का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संदर्भ, मातृभाषा–शिक्षण– द्वितीय भाषा–शिक्षण, विदेश भाषा–शिक्षण ।

2— **भाषा–शिक्षण विधि :**

भाषा अधिनियम और भाषा–शिक्षण, भाषा–शिक्षण की प्रविधियाँ – व्याकरण, अनुवाद विविध, प्रत्यक्ष, विधि, वार्तालाप विधि, सांचा अभ्यास विधि, श्रव्य–दृश्य विधि आदि, विभिन्न विधियों की सार्थकता औरसीमाएं ।

3— **बोधन क्षमता :**

सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के चार चरण, चारों चरणों के अभ्यास, कक्ष में प्रस्तुतिकरण, संदर्भ सामग्री ।

4— **वाचन दक्षता :**

सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पंच चरण, सभी चरणों का अध्यास, अशुद्धियां, सहायक सामग्री ।

5— **लेखन दक्षता :**

लिपि, वर्तनी, लेखन विकास के पांच चरण, सभी चरणों के अभ्यास, अशुद्धियां, सहायक सामग्री ।

6— **अभिव्यक्ति दक्षता :**

सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पंच चरण, सभी चरणों में अभ्यास, अशुद्धियां, सहायक सामग्री ।

7— **भाषा का सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ :**

भाषा और संस्कृति, भाषा और परिवेश, सहायक पुस्तकें ।

8— **तकनीकी उपकरण और भाषा : प्रयोगशाला :**

श्रव्य–दृश्य उपकरण : सामान्य परिचय, भाषा प्रयोगशाला – प्रकार एवं प्रयोजन भाषा प्रयोगशाला द्वारा शिक्षण, टेपांकित पाठ औरउसके घटक ।

9— **भाषा परीक्षण :**

मूल्यांकन की संकल्पना, मूल्यांकन के प्रकार, मूल्यांकन पद्धति, एकल मूल्यांकन और समग्र मूल्यांकन, प्रश्नपद और उसके प्रकार, मूल्यांकन में श्रुत–लेख एवं निकट (क्लोज) परीक्षण ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।

2— भाषा मूल्यांकन तथा परीक्षण – किशोरी लाल शर्मा, केन्द्रीय संस्थान, आगराव ।

3— अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष – अमर बहादुर सिंह, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ।

4— फारेन लैंग्वेज लरनिंग, ए0 एल0 नौ वरी हाऊस पब्लिशर, यू0 एस0 एस0 ।

5— भाषा–शिक्षण : कुछ नए विचार बिन्दु – इन्दिरा नूपुर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

6— हिंदी भाषा–शिक्षण – डा0 भोलानाथ तिवारी, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।

7— भाषा–शिक्षण – डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, मैकमिलन, दिल्ली ।

8— हिंदी भाषा : संरचना और प्रयोग – डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

9— प्रयोग और प्रयोग – डा0 जगन्नाथन, आक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली ।

10— भाषा–शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – डा0 ब्रजेश्वर वर्मा एवं एन0 वी0 राजगोपालन, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ।

11— हिन्दी भाषा–शिक्षण : डॉ0 रंगनाथ पाठक, प्रकाशक – प्रोग्रेसिव बुक सेंटर, लंका, वाराणसी ।

अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

खण्ड (क)

1— अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ और परिभाषा ।
अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प अथवा मिश्रित विधा ।

2— अनुवाद–पक्रिया : विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन ।
कोडीकरण : प्रक्रिया और महत्व । पुनरीक्षण ।

3— अनुवाद और समतुल्यता का सिद्धान्त ।
अनुवादक की भूमिकाएँ ।

4— अनुवाद : भाषा वैज्ञानिक और व्यावहारिक संदर्भ ।

5— अनुवाद के प्रकार :

3— अनुवाद प्रकार :

लिप्यंकन, लिप्यंतरण, अंतःभाषिक, अंतरभाषिक, रूपांतरण अथवा प्रतीकांतरण, अर्थांतरण, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण औरआंशिक अनुवाद, पाठधर्मी और प्रभावधर्मी अनुवाद, आशु अनुवाद ।

साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, नाट्य रूपांतरण ।

मशीनी अनुवाद : स्थिति, संभावनाएँ और सीमाएँ ।

6— **अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष और समस्याएँ :**

कोश का प्रयोग, पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग, साहित्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य काअ नुवाद, विधि साहित्य का अनुवाद, कार्यालयी सामगी का अनुवाद,समाचारों का अनुवाद, बैंकिंग शब्दावली का अनुवाद ।

7— **अनुवाद की सीमाएं :**

भाषिक संरचना और शैली, सांस्कृतिक शब्दावली, लोकोक्तियां एवं मुहावरे, लाक्षणिक प्रयोग, साहित्यिक एवं साहित्येतर ।

8— अनुवाद की भारतीय औरपाश्चात्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय ।

खण्ड 'ख' : अनुवाद व्यवहार :

1— अंग्रेजी से हिन्दी (एक अनुच्छेद)

(सामाजिक सांस्कृतिक, शैक्षिक विषयों से सम्बद्ध अनुच्छेद अथवा पत्र–पत्रिकाओं की सामग्री से सम्बद्ध अनुच्छेद ।

2— वाक्यांश और शब्दावली का अनुवाद – 10 वाक्यांश अथवा 15 शब्द ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— अनुवाद विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार ।

2— कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं – भोलानाथ तिवारी, गोस्वामी, गुलाटी, शब्दकार ।

3— अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – प्रो0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

4— कार्यालयी अनुवाद निर्देशिका – गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन ।

5— अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग – श्री गोपीनाथन् ।

6— अनुवाद कला – डा0 एन0 ई0 विश्वनाथ अय्यर ।

7— अनुवाद कला – डॉ0 विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

8— अनुवाद : सिद्धान्त एवं समस्याएं – डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृश्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

9— अनुवाद कला विचार – आनंद प्रकाश शिवाजी, एस0 चांद एंड कं0 दिल्ली।

10— हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद – आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली।

11— अनुवाद प्रक्रिया – रीतारानी पालीवाल – साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली ।

12— अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र		40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20

दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10

70 पूर्णांक

खण्ड– क

1– मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी

सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी,

मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी ।

2– हिंदी भाषा की सामाजिक शैलियां :

हिन्दी उर्दू और हिन्दुस्तानी, मौलिक और लिखित हिंदी, हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास, मानक हिंदी की संकल्पना, हिंदी का मानकीकरण ।

3– हिंदी के प्रयोग–क्षेत्र :

भाषा–प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता क्षेत्र, वार्ता प्रकार और वार्ता शैली के आधार पर हिंदी के प्रमुख प्रवृत्ति, क्षेत्र, साहित्यिक हिंदी बनाम प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता ।

4– **प्रयोजनमूलक हिन्दी कुछ प्रमुख प्रकार** :

कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिदी और उसके प्रमुख लक्षण, वृत्तिपरक हिंदी (लुहार, कुम्हार, सोनार आदि से संबंधित प्रयुक्तियां), व्यावसायिक हिंदी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, विज्ञान की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण ।

खण्ड (ख)

5– भाषा व्यवहार :

सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक हिंदी में सार–लेखन, हिंदी में पारिभाषिक शब्द–निर्माण की प्रवृत्तियां, विज्ञान प्रस्तुति, वृत्तिपरक लेखन ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– प्रयोजनमूलक हिंदी – डा0 दंगल झाल्टे ।

2– कार्यालय कार्यबोध – हरिबाबू बंसल ।

3– कामकाजी हिंदी – डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया ।

4– हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, पद्‌म सिंह शर्मा ।

5– व्यावहारिक हिंदी – कृष्ण विकल ।

6– हिंदी का सामाजिक संदर्भ – डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

7– राष्ट्रभाषा और हिंदी – डॉ0 राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

8– भाषा आन्दोलन – सेठ गोविन्ददास, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

9– हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका – डॉ0 भोलानाथ तिवारी एवं मुकुल प्रियदर्शनी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार

सभा, मद्रास ।

10– सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

11– प्रयोजनमूलक हिन्दी – डा0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ।

12– प्रशासनिक हिंदी निपुणता – हरिबाबू कंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

13– आवेदन प्रारूप – डॉ0 एस0 एन0 चतुर्वेदी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली ।

बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

खण्ड–क

1— बोली एवं भाषा :

बोली, बोली के विविध रूप, व्यक्ति बोली वर्ग बोली (सोसियोलेक्ट), बोली एवं भाषा–भाषी बोली विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप एवं मानकीकरण ।

2— बोली–निर्धारण :

बोधगम्यता, सरल भाषा–सम्बन्ध (एलसिंपलेक्स एवं एलकांप्लेक्स), सरल भाषा संबंध एवं जटिल भाषा संबंध, संकेत नाद, उभयनिष्ठ अंतर्भाग, अर्द्ध द्विभाषिकता, समवेशक प्रतिमान, शब्दसमूह, व्याकरणिक रूपों की समानता, बोली निर्धारण की समस्याएं ।

3— बोल–भूगोल :

नामकरण, बोली मानचित्रावली निर्माण–पद्धति भेद–ध्वन्यात्मक, रूप प्रक्रियात्मक वितरण विधि – बिन्दु विधि, रंगक विधि, समरेख विधि, आंकिक विधि, समभाषांश, सीमारेखा, समभाषांश रेखासमूह, समध्वनि सीमारेखा, केन्द्रीय क्षेत्र, अवशिष्ट क्षेत्र, संक्रमण क्षेत्र ।

4— सर्वेक्षण पद्धति :

सर्वेक्षण : परिभाषा, स्वरूप, सर्वेक्षण विधि, एक भाषिक, विभाषिक सर्वेक्षण स्थान समुदाय चुनाव के आधार, सर्वेक्षक योग्यता, सर्वेक्षक एवं सूचक, सूचक चयन प्रणाली – गुण, प्रश्नावली निर्माण, सामग्री संकलन : पद्धति , अवधि आदि, सामग्री अंकन, आगत शब्दावली, संकलित शब्दावली, संकलित सामग्री विश्लेषण पद्धति ।

खण्ड – 'ख'

5— बोली विज्ञान – अनुप्रयोग :

अपने भाषायी क्षेत्र के बोली विशेष के सर्वेक्षण एवं उसके विश्लेषण की समस्याएं तथा समाधान ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— आधुनिक भाषा विज्ञान – डा0 राजमणि शर्मा

2— भाषा भूगोल – डा0 कैलाशचन्द्र भाटिया ।

3— नागपुरी भाषा – डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी ।

4— भोजपुरी भाषा और साहित्य – डा0 उदयनारायण तिवारी ।

5— बुलन्दशहर एवं खुर्जा तहसीलों की बोलियों का समकालिक अध्ययन – डॉ0 महावीर शरण जैन ।

6— लिंग्विस्टिक सर्वे आफ इण्डिया (सभी भाग) – डॉ0 जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन ।

7— आगरे जिले की बोली – रामस्वरूप चतुर्वेदी ।

हिन्दी पत्रकारिता : इतिहास सिद्धान्त और प्रयोग

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न — 4 ग 10 त्र 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

क— इतिहास :

1— हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास – सामान्य रूपरेखा ।

2— प्रमुख पत्र – उदन्त मार्तण्ड, कविवचन–सुधा, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला ।

3— पत्रकार – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बालकृष्ण भट्‌ट, महामना मदनमोहन मालवीय, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबूराम विष्णुराव पराड़कर गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी ।

ख— सिद्धान्त :

समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन और संपादन, समाचार के विभिन्न òोत । भेंटवार्ता के प्रकार तथा उनकी प्रविधि, शीर्षक कला, फीजर–लेखन–स्वरूप और उद्‌देश्य, समाचार लेख संपादन, संपादकीय लेख तथा टिप्पणियों का लेखन, मेकअप, प्रूफ–संशोधन, मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान ।

ग— प्रयोग :

पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान, समाचार कैसे बनायें, शीर्षक कैसे दें, अनुवाद की प्रविधि, संक्षिप्तीकरण, संपादकीय लेखन औरटिप्पणी लेखन का अभ्यास, पत्रों के विभिन्न स्तंभ – प्रूफ संशोधन पत्र की साज–सज्जा, मुख्य पृष्ठ की साज–सज्जा कैसे आकर्षक बने।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास – अम्बिका प्रसाद वाजपेयी ।

2— संपूर्ण पत्रकारिता – हेरम्ब मिश्र ।

3— पत्र और पत्रकार – कमलापति त्रिपाठी ।

4— हिंदी पत्रकारिता – डॉ0 कृष्ण बिहारी मिश्र

5— संपादन कला – के0 पी0 नारायण ।

6— पत्रकार कला – विष्णुदत्त शुक्ल

7— पत्र संपादन कला – नन्द किशोर त्रिखा ।

8— मुद्रण कला – प्रभुल्ल चन्द्र ओझा मुक्त ।

9— हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम – सं0 वेद प्रताप वैदिक

10— हिन्दी पत्रकारिता : संकट और संत्रास – श्री हेरम्ब मिश्र ।

हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न — 4 ग 10 त्र 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 ग 5 त्र 20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न — 10 ग 1 त्र 10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— हिंदी नाटक एवं भारतीय रंगमच के विकास का अध्ययन ।

2— हिंदी रंगमंच का उद्‌भव और विकास, आधुनिक रंगमंच की प्रविधियों का अध्ययन ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

2— कामना : जयशंकर प्रसाद

3— पहला राजा : जगदीश चन्द्र माथुर ।

4— लहरों के राजहंस : मोहन राकेश

5— आठवां सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा

हिंदीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिंदी साहित्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5 त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	—	10 ग 1 त्र	10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— हिंदी का राष्ट्रीय सांस्कृतिक परिवेश ।

2— दक्षिण भारतीय हिंदी रचनाकार

3— भारत केपूर्वोत्तर क्षेत्र के हिन्दी रचनाकार ।

4— भारत के पश्चिमोत्तर क्षेत्र के हिंदी रचनाकार ।

5— देशान्तर के विशिष्ट हिंदी रचनाकार ।

6— विदेशों में हिन्दी पठन–पाठन की स्थिति ।

7— देशान्तर में अनूदित हिंदी साहित्य

8— विदेशों में हिंदी पत्र–पत्रिकाएं

9— हिन्दीतर क्षेत्रों की हिन्दी प्रचारक संस्थान ।

10— सुदूर अंचलों में हिंदी प्रचार तथा सर्जनात्मक लेखन की व्यावहारिक समस्याएं ।

11— विश्वभाषा के रूप में हिंदी का भविष्य ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— हिंदी साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग 15) नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2— हिंदी साहित्य को हिंदीतर भाषियों की देन, मासिक मुहम्मद, राजपाल ऐंड संस, दिल्ली।

3— हिंदी को केरलियों की देन – जी0 गोपीनाथन, राजकमल, दिल्ली।

4— राष्ट्र भारती को केरला का योगदान – एस0 ई0 विश्वनाथ अय्यर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

5— दक्षिण के हिंदी प्रचार का समीक्षात्मक इतिहास – पी0 के0 केशवन नायर, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ।

भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र		40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

1— वेदों और उपनिषदों का सामान्य स्वरूप और उनका भारतीय साहित्य पर प्रभाव, रामायण, महाभारत, पुराण साहित्य का सामान्य परिचय और भारतीय साहित्य पर उनका प्रभाव ।

ख— बौद्ध और जैन धर्म का भारतीय साहित्य पर प्रभाव, वेदांत – शंकर, रामानुज, वल्लभ आदि मध्यकालीन दार्शनिकों का अवदान, शैवमत तथा मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव ।

ग— भावगत सम्प्रदाय और वैष्णव मत और मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव, इस्लाम औरसूफीमत – उसका भारतीय साहित्य और संस्कृति पर प्रभाव । भक्ति आंदोलन और भारतीय साहित्य ।

घ— स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव । भारतीय साहित्य पर राष्ट्रीयता, गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद का प्रभाव ।

ङ— आधुनिक युग में भारतीय साहित्य – साहित्य रूपों में परिवर्तन–कविता, कथासाहित्य, नाटक । सुब्रह्मण्य भारती, रवीन्द्रनाथ, इकबाल, निराला और प्रेमचंद का महत्व ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1— भारतीय साहित्य – डा0 भोला शंकर व्यास ।

2— संस्कृत साहित्य का इतिहास – डा0 बलदेव उपाध्याय ।

3— भारतीय दर्शन – डॉ0 बलदेव उपाध्याय ।

4— भागवत सम्प्रदाय – डा0 बलदेव उपाध्याय ।

5— सूफीमत – साधना और साहित्य – डॉ0 रामपूजन तिवारी ।

6— संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर

7— भारतीय साहित्य –डॉ0 नगेन्द्र

8— भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं –डॉ0 रामविलास शर्मा ।

9— भारतीय चिंतन परम्परा – के0 दामोदरन ।

10— आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ0 विश्वनाथ नरवणे ।

लोक साहित्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	—	4 ग 10 त्र	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	—	4 ग 5	त्र	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न		— 10 ग 1	त्र	10
				70 **पूर्णांक**

पाठ्यांश :

1— लोकसाहित्य – परिभाषा एवं स्वरूप

2— लोक साहित्य– अध्ययन का इतिहास

3— लोकसाहित्य के रूप

4— हिंदी का लोकसाहित्य (मुख्यतः भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, मगही, मैथिली, लोकसाहित्य का आकलन)

अनुशंसित ग्रंथ :

1— लोकसाहित्य विज्ञान – सत्येन्द्र, शिवलाल ऐंड कंपनी, आगरा ।

2— लोक साहित्य की भूमिका – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद

3— लोकसाहित्य का अध्ययन – त्रिलोचन पांडेय, लोकभारती, इलाहाबाद

4— हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास (सोलहवाँ भाग) – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

5— ग्रामगीत – रामनरेश त्रिपाठी, हिंदी मंदिर, प्रयाग